नारेबाजी और तख्तियां दिखाने से न तो सदस्यों को प्रतिष्ठा बढ़ती है और न ही सदन की गरिमा बढ़ती है: लोक सभा अध्यक्ष

...

सदन में जितनी अच्छी चर्चा और संवाद होगा, विधान सभा की गरिमा और प्रतिष्ठा में उतनी ही वृद्धि होगी: लोक सभा अध्यक्ष

...

सदन के समय का सदुपयोग विधायकों की कार्यकुशलता में वृद्धि करेगा तथा विधायिका में जनता की आस्था में भी वृद्धि करेगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

विधान मंडलों की बैठकों मे सदस्यों की उपस्थिति कम होना चिंता का विषय है : लोक सभा अध्यक्ष

...

कानून जितना सरल और प्रभावी बनेगा, उतना ही सहज और शीघ्र न्याय लोगों को मिलेगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

'एक देश-एक विधायी प्लेटफॉर्म' अर्थात् ई-विधान पूरे देश के विधान मंडलों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़कर लोकतांत्रिक इकाइयों को परस्पर जोड़ने का कार्य करेगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

...

लखनऊ, 20 मई, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज उत्तर प्रदेश विधान सभा के नव-निर्वाचित सदस्यों हेतु आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया एवं सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा की विधान मंडलों की प्रतिष्ठा और प्रामाणिकता तभी होगी, जब विधान सभा के जनप्रतिनिधियों की अच्छी प्रामाणिकता होगी। सदन में जितनी अच्छी चर्चा और संवाद होगा, विधान सभा की गरिमा और प्रतिष्ठा में उतनी ही वृद्धि होगी। जनप्रतिनिधियों के आचरण और व्यवहार से ही सदन की गरिमा बढ़ती है। इसलिए हमें सदन के अंदर आचरण के उच्चतम मानदंड अपनाना चाहिए और सदन की पवित्रता को कायम रखना

चाहिए। श्री बिरला ने यह भी कहा की सदनों के अंदर व्यवधान उत्पन्न करने से या नारेबाजी और तख्तियां दिखाने से न तो माननीय सदस्यों को प्रतिष्ठा बढ़ती है और न ही सदन की गरिमा बढ़ती है।

इसलिए, हमें ऐसी प्रथाओं को उत्साहित नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा की सदन चर्चा और संवाद के लिए है न की नारेबाजी के लिए।

श्री बिरला ने यह भी कहा की कानून बनाते समय जितनी गंभीर चर्चा होगी, संवाद होगा, उतना ही अच्छा कानून बनेगा और उनसे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। कानून लोगों के जीवन को परिवर्तित करने के लिए, लोगों का अधिकार देने के लिए और उनके जीवन को सहज और सरल बनाने के लिए होता है। इसलिए कानून जितना सरल और सहज बनेगा, उतना ही सहज और शीघ्र न्याय लोगों को मिलेगा।

सदन में उपस्थिति के महत्व का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधान सभा मे विधायकों की उपस्थिति कम होना चिंता का विषय है। जनप्रतिनिधि सदन में जितनी देर तक बैठेंगे, उतना ही उनको वरिष्ठ एवं अनुभवी विधायकों का मार्गदर्शन मिलेगा और सदन में सार्थक चर्चा और संवाद होंगे। लोकसभा अध्यक्ष ने कानून बनाने के लिए लोगों से इनपुट लेने पर जोर देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को लोगों से इनपुट लेना चाहिए ताकि उनकी आशाओं और आकांक्षाओं को विधानों में शामिल किया जा सके।

श्री बिरला ने विधायकों द्वारा प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी डिजिटल युग में जी रहे हैं, जहां सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में होने वाली तीव्र प्रगति ने विधायिका और इसके सदस्यों की भूमिका और कार्यों पर बहुत प्रभाव डाला है। इसने संपूर्ण विश्व के विधान मंडलों के कार्यकरण की शैली को बिल्कुल बदल दिया है। उन्होंने सूचित किया कि 'एक देश-एक विधायी प्लेटफॉर्म'अर्थात् ई-विधान के द्वारा पूरे देश के विधान मंडलों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा पोर्टल होगा, जो न केवल हमारी संसदीय प्रणाली को तकनीकी रूप से विकसित करेगा, बल्कि देश की सभी लोकतांत्रिक इकाइयों को परस्पर जोड़ने का कार्य भी करेगा।

विधान सभाओं में सदस्यों की क्षमता संवर्धन की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधान सभाओं में सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग हो, इसके लिए विधायकों को प्रशिक्षण देने का काम होना चाहिए।साथ ही कानून बनाते समय विधायकों के लिए ब्रीफिंग सत्र आयोजित करना चाहिए। श्री बिरला ने सुझाव दिया कि सदस्यों को नियम प्रक्रिया के तहत विधेयकों की प्रतियां समय से मिलनी चाहिए, ताकि वे कानून के प्रावधानों का अध्ययन कर सकें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के संदर्भ में श्री बिरला ने सभी सदस्यगणों को देश प्रदेश के अंतिम पायदान पे खड़े गरीब और वंचित व्यक्ति के सामाजिक आर्थिक परिवर्तन की दिशा में परिश्रम करने का आह्वाहन किया।

श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश की वर्तमान विधान सभा कई मायनों में अभूतपूर्व है क्योंकि विधान सभा में 47 महिला सदस्य निर्वाचित होकर आईं हैं, जो अब तक राज्य में महिला सदस्यों की सर्वाधिक संख्या है। इसके अलावा इस विधान सभा में 100 से अधिक माननीय सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं जबकि 200 से अधिक माननीय सदस्य पुनः निर्वाचित हुए हैं।उन्होंने सभा नए सदस्यों को सुझाव दिया कि सदन की प्रक्रियाओं का समुचित अध्ययन करें जिससे वे कार्यवाही में प्रभावी योगदान दे सकें।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने भी उपस्थित विधायकगण को सम्बोधित किया। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री और विधायकगण भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बाद में दिन में, श्री बिरला ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इससे पूर्व, श्री बिरला ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और विधानमंडलों की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करने के बारे में चर्चा की। श्री बिरला अपनी लखनऊ यात्रा के दौरान कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों से भी मिले।